पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» सुभाषित: प्रेरणा देने वाले सुन्दर वचन

» पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि: जल, अन्न, सुभाषित

» वसुधैव कुटुम्बकम्: उदार दृष्टि

» उद्यमेन सिद्धि: परिश्रम का संदेश

» अभिवादन और विद्या-सुख श्रृंखला

» षड् गुणाः और जन्मभूमि प्रेम

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. सुभाषित किसे कहते हैं? 2 वाक्य।

› सुन्दर वचन।

› उत्तम कार्य के लिए प्रेरणा।

उत्तर – सुभाषित सुन्दर वचन हैं जो हमें अच्छे काम के लिए प्रेरित करते हैं।

उदाहरण 2. तीन रत्न कौन-से हैं और मूढ जन क्या गलती करते हैं?

› जल, अन्न, सुभाषित लिखें।

› पत्थरखण्ड को रत्न मानना गलत।

उत्तर – रत्न–जल, अन्न, सुभाषित; मूर्ख पत्थर को रत्न कहते हैं।

उदाहरण 3. लघुचेतस् और उदारचरित में अंतर लिखिए।

› लघु: अपना-पराया बाँटते हैं।

› उदार: पूरी पृथ्वी कुटुम्ब।

उत्तर – संकीर्ण सोच बाँटती है; उदार सोच सबको परिवार मानती है।

उदाहरण 4. सिंह-उदाहरण से क्या शिक्षा मिलती है?

› सिंह शक्तिशाली है।

› फिर भी आहार के लिए प्रयास करता है।

उत्तर – शक्ति होने पर भी बिना परिश्रम सफलता नहीं मिलती।

उदाहरण 5. विद्या से सुख तक का क्रम लिखिए।

› विद्या विनय देती है।

› विनय से पात्रता।

› पात्रता से धन, धन से धर्म, धर्म से सुख।

उत्तर – विद्याविनयपात्रताधनधर्मसुख।

उदाहरण 6. षड् गुण लिखिए।

› उद्यम, साहस, धैर्य।

› बुद्धि, शक्ति, पराक्रम।

उत्तर – उद्यम, साहस, धैर्य, बुद्धि, शक्ति, पराक्रम।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- परिभाषा में 'प्रेरणा' शब्द रखें।
- भावार्थ में 'मूढैः पाषाण...' वाला अंतर लिखें।
- दोनों पक्ष–लघु और उदार–लिखें।
- सिंह वाला दृष्टान्त संक्षेप में लिखें।
- श्रृंखला एक पंक्ति में लिखें।
- गुणों की पूर्ण सूची लिखें।

एक नज़र में रिवीज़न

› सुन्दर वचन + प्रेरणा।

› JAS याद रखें।

› उदार = एक कुटुम्ब।

› उद्यम = कुंजी।

› क्रम याद रखें।

› 6 गुण + जन्मभूमि प्रेम।